हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 1 अप्रैल 2026, समय 1305 (5 मिनट)

आज से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही प्रमुख वित्तीय नियमों में बदलाव सहित कई सुधार लागू हो जाएंगे।

नए वित्ति वर्ष के पहले दिन आज आयकर अधिनियम- 2025 ने छह दशक से भी अधिक पुराने आयकर अधिनियम 1961 का स्था2न ले लिया है। इसे पुराने प्रावधानों को हटाकर, जटिल नियमों को सुव्यवस्थित करके और करदाताओं के लिए अनुपालन को अधिक सरल बनाकर कर प्रणाली को आसन बनाने के उद्देश्या से तैयार किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार आज से देश में सभी डिजिटल भुगतान लेनदेन के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन यानी दो-कारक प्रमाणिकरण के मानदंडों को पूरा करना अनिवार्य हो गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए फास्टय टैक वार्षिक पास का संशोधित शुल्क भी आज से लागू हो गया है। इसके साथ ही स्था यी खाता संख्या पेन कार्ड के लिए आवेदन करने या उसे अपडेट करने के संशोधित नियम भी आज से प्रभावी हो गए हैं।

विश्व की सबसे बड़ी जनगणना-2027 का पहला चरण आज से शुरू होगा।

जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना होगी। इसके लिए पहली मार्च, 2027 को संदर्भ तिथि निर्धारित की गई है।

पहली बार, जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी। इसमें स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध होगा।यह स्व-गणना आज से 15 अप्रैल तक जारी रहेगी।

मकान सूचीकरण और आवास गणना 16 अप्रैल से शुरू होकर 15 मई तक जारी रहेगी। मकान सूचीकरण में सभी भवनों और संरचनाओं की सूची तैयार की जाएगी तथा आवासीय स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी। भवनों की जियो-टैगिंग भी की जाएगी और प्रत्येक संरचना को एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी। देशभर में इस कार्य के लिए तीस लाख से अधिक गणनाकर्मी, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी तैनात किए गए हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य जीवनशैली संबंधी रोगों के समाधान में आयुर्वेद एक प्रभावी और टिकाऊ विकल्प प्रदान करता है।
मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में आयोजित श्री धन्वंतरि आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। आयुर्वेदिक कॉलेजों और अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने, शोध को प्रोत्साहित करने और चिकित्सकों को बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, जिससे यह कॉलेज भी संबद्ध है।
मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कॉलेज परिसर में निर्मित नए शैक्षणिक खंड का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा साइंटिफिक जनरल का भी विमोचन किया गया।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बीआर अम्बेडकर की प्रतिमा अम्बाला छावनी में 12 क्रास रोड पर स्थापित की जाएगी। प्रतिमा स्थापित करने के लिए उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से 50 लाख रुपए की राशि जारी कर दी है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रतिमा स्थापित करने के लिए 50 लाख रुपए की राशि नगर परिषद, अम्बाला सदर को जारी की गई है और जल्द ही अब डॉ. बीआर अम्बेडकर की प्रतिमा 12 क्रास रोड पर स्थापित होगी।

हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 134-ए के अंतर्गत आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग और गरीबी रेखा से नीचे वाले वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति अनुदान राशि जारी कर दी है। विभाग द्वारा कुल 31 करोड़ 88 लाख रुपये की राशि जारी की गई है, जिससे राज्य के सात जिलों अंबाला, गुरुग्राम, फतेहाबाद, कैथल, महेंद्रगढ़, पंचकूला और रोहतक के निजी विद्यालयों को वित्तीय प्रतिपूर्ति होगी।

शिक्षा मंत्री महीपाल ांडा ने कहा कि यह कदम राज्य सरकार की समावेशी शिक्षा नीति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना निरंतर प्रभावी रूप से लागू की जा रही है। इस अनुदान से न केवल विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, बल्कि निजी विद्यालयों को भी समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित होगी।

श्री महीपाल ांडा ने कहा कि सरकार कृतसंकल्प है कि कोई भी बच्चा आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि विभाग भविष्य में भी इसी प्रकार पारदर्शिता और तत्परता के साथ योजनाओं को लागू करता रहेगा, ताकि शिक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

कैथल जिला के सरकारी विद्यालयों में 100 प्रतिशत नामांकन एवं शून्य ड्रॉप आउट के उद्देश्य से उपायुक्त अपराजिता ने कल लघु सचिवालय से एक प्रवेश उत्सव रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग की ओर से सभी सरकारी विद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रवेश उत्सव रथ की शुरुआत की गई है।

उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा विभाग का यह रथ सरकारी विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने एवं शिक्षा की अलख जगाने गांव-गांव में जाएगा। सबसे पहले उन गांवों को चुना जाएगा जहां पर सरकारी विद्यालयों में छात्र संख्या कम है। यह रथ जनमानस को सरकारी विद्यालयों में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं एवं अपनी उपलब्धियों से भी अवगत करवाएगा।